सोनिया की बर्बरता व साजिश

(हिन्दी)

आतंकवाद, बलात्कार, बेरोजगारी, कालाधन, भ्रष्टाचार,
महंगाई व विदेशी कंपनियों द्वारा लूट और साधु - संतों पर अत्याचार
इसका जिम्मेदार कौन ?... सोनिया गाँधी कैसे दे रही है भारत को धोखा !

आतंकवाद व नक्सलवाद को सोनिया सरकार द्वारा बढ़ावा

माओवादियों व जेहादियों को बढ़ावा । पहले कश्मीर फिर केरल अब आसाम को हिन्दू विहीन करने की ओर कदम, ८ लाख लोग यहाँ से भगा दिये गये । पहले कश्मीर अब आसाम में सैकड़ो हिन्दू मारे गये, लाखों बेघर, २५,००० लोग शरणार्थी बनने पर मजबूर ।

यासीन भटकल ५० से अधिक धमाकों का मास्टर माइंड एवं इसीने भारत के २,५०० मुसलमानों को आतंकी बनाया । भारत में ६६ आतंकी संगठन कार्यरत।

पिछले १६ सालों में हुई ढाई लाख किसानों की मौत का जिम्मेदार कौन ?

वेटिकन चर्च के ईशारे पर सोनिया द्वारा भारत को गुलाम बनाने की योजना

संदर्भ : दिव्य भास्कर

छल-कपट से धर्मान्तरण | सिक्कों पर क्रास | महंगाई चरम-सीमा पर, रोटी हुई दुर्लभ

सोनिया की सच्चाई का खुलासा

– डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी

कौन है सोनिया गाँधी ....?

भारतीय नागरिकों को सोनिया की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी हासिल करना बेहद मुश्किल बात है, क्योंकि इटली में जन्म के कारण और वहाँ की भाषाई समस्याओं के कारण किसी पत्रकार के लिए भी यह मुश्किल ही है (भारत में पैदा हुए नेताओं की पृष्ठभूमि के बारे में हम कितना जानते हैं ?) लेकिन नागरिकों को जानने का अधिकार तो है ही। सोनिया के बारे में तमाम जानकारी उन्हीं के द्वारा अथवा काँग्रेस के विभिन्न मुख-पत्रों में जारी की हुई सामग्री पर आधारित हैं जिसमें साफ तौर पर झूठ पकड़ में आते हैं।

झूठ		सच
नाम : सोनिया		**नाम : ऐंटोनिया माईनो**
जन्मस्थान : ओरबेस्सानो		**जन्मस्थान : लूसियाना**
शिक्षा : केम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में डिप्लोमा		**शिक्षा : कॉलेज का कभी मुँह तक नहीं देखा**
कार्य : राजनेता		**कार्य : रूसी जासूसी संस्था केजीबी की एजेन्ट**
छवि : साफ-सुथरी छवि		**छवि:** भ्रष्टाचारी,घोटालेबाज

☞ **असली नाम :**

सोनिया गाँधी का असली नाम सोनिया नहीं बल्कि ऐंटोनिया माईनो (Antonia Maino) है। यह बात इटली के राजदूत ने २७ अप्रैल १९८३ को लिखे एक पत्र में स्वीकार की है। यह पत्र गृह मंत्रालय ने अपनी मर्जी से कभी सार्वजनिक नहीं किया। एंटोनिया नाम सोनिया गाँधी के जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है।

☞ **असली पिता :**

सोनिया के कथित पिता (सोनिया की माँ के असली पति) का नाम स्टीफानो माईनो (Stefano Maino) है। सोनिया के जन्मप्रमाण पत्र के

अनुसार जन्म १९४४ व जन्म स्थान लूसियाना है। स्टीफानो माईनो द्वितीय विश्व युद्ध के वक्त सन् १९४२ से १९४५ तक रूस में युद्ध बन्दी थे, जब तक कि इटली ने इंग्लैण्ड व उसके मित्र देशों की सेना के आगे आत्म-समर्पण नहीं कर दिया था। इससे साफ पता चलता है कि स्टीफानो माईनो सोनिया का पिता हो ही नहीं सकता इसलिए इस सच्चाई को छुपाने के लिए सोनिया की जन्मतिथि व जन्म स्थान दोनों बदल देने पड़े। इस धोखाधड़ी की जांच-पड़ताल करने की बजाय, उसकी नई जन्मतिथि ९ दिसम्बर १९४६ कर दी गयी और उसका नया जन्म स्थान ओरबेस्सानो कर दिया गया। रूस में बिताये जेल के लम्हों में सोनिया के पिता धीरे-धीरे रूस समर्थक बन गये थे।

☞ **असली जन्म स्थान :**

सोनिया का जन्म इटली के लूसियाना (Luciana) में हुआ, न कि जैसा उन्होंने संसद में दिये अपने शपथ पत्र में उल्लेख किया है कि उनका जन्म ओर्बेस्सानो में हुआ। शायद वे अपना जन्म स्थान लूसियाना छुपाना चाहती हैं, क्योंकि इससे उनके पिता के नाजियों और मुसोलिनी से सम्बन्ध उजागर होते हैं जबकि युद्ध समाप्ति के पश्चात् भी उनका परिवार लगातार नाजियों और फासिस्टों के सम्पर्क में रहा। लूसियाना नाजियों के नेटवर्क का मुख्य केन्द्र था और यह इटली-स्विस सीमा पर स्थित है। इस झूठ का कोई औचित्य नजर नहीं आता और न ही आज तक उनकी तरफ से इसका कोई स्पष्टीकरण दिया गया है।

☞ **शिक्षा के बारे में झूठा शपथ पत्र :**

सोनिया गाँधी का आधिकारिक शिक्षण हाई स्कूल से अधिक नहीं हुआ है लेकिन उन्होंने रायबरेली के २००४ लोकसभा चुनाव में एक शपथ पत्र में कहा है कि उन्होंने केम्ब्रिज विश्वविद्यालय (Cambridge University) से अंग्रेजी में डिप्लोमा किया हुआ है। यही झूठी बात उन्होंने सन् १९९९ में लोकसभा में अपने परिचय-पत्र में कही थी जो कि लोकसभा द्वारा 'हू इज हू' के नाम से प्रकाशित की जाती है। बाद में जब मैंने लोकसभा के अध्यक्ष को लिखित शिकायत की, कि यह घोर अनैतिकता

भरा कदम है तब उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसा टाइपिंग की गलती की वजह से हुआ (ऐसी टाइपिंग गलती तो गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्डस मे शामिल होने लायक है)।

सच्चाई तो यह है कि सोनिया ने कॉलेज का मुँह तक नहीं देखा है। वे जिआवेना (Giavena) स्थित एक कैथोलिक स्कूल 'मारिया ऑसिलियाट्रिस (Maria Ausiliatrice)' में पढ़ने जाती थीं (यह स्कूल उनके तथाकथित जन्म स्थान ओरबेस्सानो से १५ कि.मी. दूर स्थित है)। गरीबी के कारण बहुत-सी इटालियन लड़कियाँ उन दिनों ऐसे मिशनरी स्कूलों में पढ़ने जाया करती थीं, और उनमें से बहुतों को अमेरिका में सफाई कर्मचारी, वेटर आदि की नौकरी मिल जाती थी। उन दिनों माइनो परिवार बहुत गरीब हो गया था।

सोनिया के पिता एक मेसन (मिस्त्री) और माँ एक खेतिहर मजदूर के रूप में काम करती थीं (अब इस परिवार की सम्पत्ति करोड़ों की हो गई है !)। फिर सोनिया इंग्लैंड स्थित केम्ब्रिज कस्बे के लेन्नॉक्स (Lennox) स्कूल में अंग्रेजी पढ़ने गईं। यह है उनका कुल शिक्षण। लेकिन भारतीय समाज को बेवकूफ बनाने के लिए उन्होंने संसद में झूठा बयान दिया (जो कि नैतिकता का उल्लंघन भी है) और चुनाव में झूठा शपथ-पत्र भी, जो कि भारतीय दंड संहिता के अनुसार अपराध भी है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार प्रत्याशी को उसकी सम्पत्ति और शिक्षा के बारे में सही-सही जानकारी देना आवश्यक है। इन झूठों से साबित होता है कि सोनिया गाँधी कुछ छिपाना चाहती हैं या उनका कोई छुपा हुआ कार्यक्रम है जो किसी और मकसद से है, जाहिर है कि उनके बारे में और जानकारी जुटाना आवश्यक है।

☞ **सोनिया का भारत में प्रवेश :**

कुमारी सोनिया अच्छी अंग्रेजी से अवगत होने के लिए केम्ब्रिज कस्बे के वार्सिटी रेस्टोरेंट (Varsity Restaurant) में काम करने लगीं। वहीं उनकी मुलाकात १९६५ में राजीव गाँधी से पहली बार हुई। राजीव उस यूनिवर्सिटी में छात्र थे और पढ़ाई में कुछ खास नहीं थे इसलिए राजीव सन्

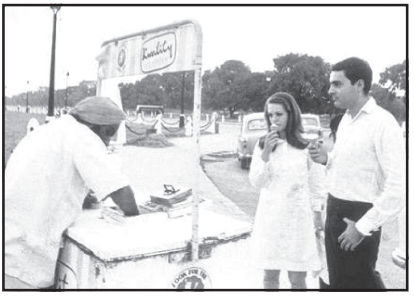

१९६६ में लन्दन चले गये जहाँ उन्होंने इम्पीरियल (Imperial) इंजीनियरिंग कॉलेज में थोड़ी शिक्षा ग्रहण की। सोनिया भी लन्दन चली गयी जहाँ उन्हें एक पाकिस्तानी सलमान थसीर के यहाँ नौकरी मिल गयी। इस नौकरी में सोनिया ने अच्छा पैसा कमाया। कम से कम इतना तो कमाया ही कि वे राजीव गाँधी की आर्थिक मदद कर सकें जिनके खर्चे बढ़ते ही जा रहे थे।

संजय गाँधी को लिखे राजीव गाँधी के पत्रों से यह स्पष्ट था कि राजीव सोनिया के आर्थिक कर्जे में फँसे हुए थे और राजीव ने संजय से मदद की गुहार की थी। उस दौरान राजीव अकेले सोनिया गाँधी के मित्र नहीं थे, माधवराव सिंधिया और एक जर्मन स्टीगलर (Stiegler) उनके अंतरंग मित्रों में से एक थे। माधवराव से उनकी दोस्ती राजीव से शादी के बाद भी जारी रही।

☞ **राजीव गाँधी और सोनिया का विवादास्पद विवाह :**

इनका विवाह ओर्बेस्सानो के एक चर्च में हुआ था हालांकि यह उनका व्यक्तिगत लेकिन विवादास्पद मामला है और जनता को इससे कोई लेना-देना नहीं है लेकिन जनता का जिस बात से सरोकार है वह है इन्दिरा गाँधी द्वारा उनका वैदिक रीति से पुन: विवाह करवाना ताकि भारत की भोली जनता को बहलाया जा सके और यह सब हुआ था एक सोवियत प्रेमी अधिकारी टी.एन.कौल की सलाह पर। जिन्होंने यह कहकर इन्दिरा गाँधी को इस बात के लिए मनाया कि सोवियत संघ के साथ रिश्तों को मजबूत करने के लिए यह जरूरी है। अब प्रश्न उठता है कि कौल को ऐसा कहने के लिए किसने उकसाया ? १९७१ के भारत-पाक युद्ध के दौरान, जबकि हर भारतीय देश के लिए मरने को तैयार था; देश पर ऐसे आपत्तिकाल के समय सोनिया माइनो राजीव गाँधी को लेकर इटली भाग गयी।

☞ सोनिया रूसी जासूसी संस्था केजीबी की एजेन्ट :

जब भारतीय प्रधानमंत्री का बेटा लन्दन में एक लड़की से प्रेम करने में लगा हो तो भला रूसी खुफिया एजेंसी केजीबी चुप कैसे रह सकती थी

जबकि भारत-सोवियत रिश्ते बहुत मधुर हों और सोनिया उस स्टीफ़ानो की पुत्री हों जो कि सोवियत भक्त बन चुका हो । इसलिए सोनिया का राजीव से विवाह केजीबी के हित में ही था । राजीव से शादी के बाद माइनो परिवार के सोवियत संघ से सम्बन्ध और भी मजबूत हुए और कई सौदों में उन्हें दलाली की रकम अदा की गयी । डॉ.येवेग्निया अल्बाट्स (Dr.Yevgenia Albats) (पीएच.डी. हार्वर्ड) एक ख्यातनाम रूसी लेखिका और पत्रकार हैं, वे रूसी प्रधानमंत्री येल्तसिन द्वारा सन् १९९१ में गठित केजीबी आयोग की सदस्या थीं उन्होंने अपनी पुस्तक ''द स्टेट विदाइन अ स्टेट : द केजीबी इन सोवियत यूनियन'' में कई दस्तावेजों का उल्लेख किया है और इन दस्तावेजों को भारत सरकार जब चाहे एक आवेदन देकर देख सकती है ।

रूसी सरकार ने सन् १९९२ में डॉ. अल्बाट्स के इन रहस्योद्घाटनों को स्वीकार किया जो कि 'द हिन्दू' में १९९२ में प्रकाशित हो चुका है । उस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि सोवियत आदर्शों और सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार का पैसा माइनो और कांग्रेस प्रत्याशियों को चुनावों के दौरान दिया जाता रहा है । १९९१ में रूस के विघटन के पश्चात् जब रूस आर्थिक भँवर में फँस गया तब सोनिया गाँधी का पैसे का यह स्रोत सूख गया और सोनिया ने रूस से मुँह मोड़ना शुरू कर दिया ।

मनमोहन सिंह के सत्ता में आते ही रूस के वर्तमान राष्ट्रपति पुतिन (जो कि घुटे हुए केजीबी जासूस रह चुके हैं) ने तत्काल दिल्ली में राजदूत के तौर

पर अपना एक खास आदमी नियुक्त किया जो सोनिया के इतिहास और उनके परिवार के रूसी सम्बन्धों के बारे में सब कुछ जानता था। UPA सरकार को सोनिया ही चला रही हैं यह बात जब भारत में ही सब जानते हैं तो विदेशी जासूस कोई मूर्ख तो नहीं हैं, इसलिए उस राजदूत के जरिये भारत-रूस सम्बन्ध अब एक नये दौर में प्रवेश कर चुके हैं। अमेरिका में भी किसी अधिकारी को इजराइल के लिए जासूसी करते हुए बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, भले ही अमेरिका के इजराइल से कितने ही मधुर सम्बन्ध हों। सम्बन्ध अपनी जगह हैं और राष्ट्रहित अलग बात है।

☞ **सोनिया द्वारा भारत के कानूनों का हनन :**
(सोनिया को भारत छोड़ना ही पड़ेगा)

राजीव से विवाह के बाद सोनिया और उनके इटालियन मित्रों को स्नैम प्रोगैती (Snam Progatti) की ओट्टाविया क्वात्रोची (Ottavio Quattrocchi) से भारी-भरकम राशियाँ मिलीं। वह भारतीय कानूनों से बेखौफ होकर दलाली में रुपये लूटने लगा। कुछ ही वर्षों में माईनो परिवार जो गरीबी के भँवर में फँसा था अचानक करोड़पति हो गया। लोकसभा के नये नवेले सदस्य के रूप में मैंने (डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने) १९ नवम्बर १९७४ को संसद में ही तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी से पूछा था कि क्या आपकी बहू सोनिया गाँधी जो कि अपने-आप को एक इंश्योरेंस एजेंट बताती हैं।(वे खुद को ओरियंटल फायर एंड इंश्योरेंस कम्पनी की एजेंट बताती थीं) प्रधानमंत्री आवास का पता उपयोग कर रही हैं ? जबकि यह अपराध है। क्योंकि वे एक इटालियन नागरिक हैं और यह विदेशी मुद्रा उल्लंघन का मामला भी बनता है, तब संसद में बहुत शोर-गुल मचा। श्रीमती इन्दिरा गाँधी गुस्सा तो बहुत हुई, लेकिन उनके सामने और कोई विकल्प नहीं था। इसलिए उन्होंने लिखित में यह बयान दिया कि यह गलती से हो गया था और सोनिया ने इंश्योरेंस कम्पनी से इस्तीफा दे दिया है (मेरे प्रश्न पूछने के बाद) लेकिन **सोनिया का भारतीय कानूनों को लतियाने और तोड़ने का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं हुआ।**

सन् १९७७ में जनता पार्टी सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय के जस्टिस ए.सी.गुप्ता के नेतृत्व में गठित जाँच आयोग ने जो रिपोर्ट सौंपी थी उसके अनुसार मारुति कम्पनी (जो उस वक्त गाँधी परिवार की मिल्कियत थी) ने फेरा कानूनों, कम्पनी कानूनों और विदेशी पंजीकरण कानून के कई गंभीर उल्लंघन किये लेकिन **सोनिया गाँधी के खिलाफ कभी भी न कोई केस दर्ज हुआ, न मुकदमा चला । हालाँकि यह अभी भी किया जा सकता है क्योंकि भारतीय कानूनों के मुताबिक आर्थिक घपलों पर कार्रवाई हेतु कोई समय-सीमा तय नहीं है ।**

जनवरी १९८० में श्रीमती इन्दिरा गाँधी पुन: सत्तासीन हुईं । सोनिया ने सबसे पहला काम यह किया कि उन्होंने अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाया । यह साफ-साफ कानून का मखौल उड़ाने जैसा था और उनका वीजा रद्द किया जाना चाहिये था (क्योंकि उस वक्त भी वे इटली की नागरिक थीं) ।

प्रेस द्वारा हल्ला मचाने के बाद दिल्ली के चुनाव अधिकारी ने १९८२ में उनका नाम मतदाता-सूची से हटाया । लेकिन फिर जनवरी १९८३ में उन्होंने अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा लिया, जबकि उस समय भी वे विदेशी ही थीं (आधिकारिक रूप से उन्होंने भारतीय नागरिकता के लिए अप्रैल १९८३ में आवेदन किया था) । **सोनिया भारत की नागरिक बनी; लेकिन उसने अपनी इटालियन नागरिकता नहीं छोड़ी ।**

हाल ही में विख्यात् कानूनविद् ए.जी.नूरानी ने अपनी पुस्तक सिटिजन्स राईट्स, जजेस एंड अकाउंटेबिलिटी रेकॉर्डस (Citizens' Rights,Judges and State Accountability records) (पृष्ठ ३१८) पर यह दर्ज किया है कि सोनिया गाँधी ने जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल के कुछ खास कागजात एक विदेशी को दिखाये जो

कागजात उनके पास नहीं होने चाहिये थे और उन्हें अपने पास रखने का सोनिया को कोई अधिकार नहीं था। इससे साफ जाहिर होता है कि उनके मन में भारतीय कानूनों के प्रति कितना सम्मान है।

सार यह कि सोनिया गाँधी के मन में भारतीय कानून के सम्बन्ध में कोई इज्जत नहीं है। वे एक महारानी की तरह व्यवहार करती हैं। **यदि भविष्य में उनके खिलाफ कोई मुकदमा चलता है और जेल जाने की नौबत आ जाती है तो वे इटली भी भाग सकती हैं।** पेरू के राष्ट्रपति फूजी मोरी (Fujimori) जीवन भर यह जपते रहे कि वे जन्म से ही पेरूवासी हैं लेकिन जब भ्रष्टाचार के मुकदमे में उन्हें दोषी पाया गया तो वे अपने गृह देश जापान भाग गये और वहाँ की नागरिकता ले ली।

☞ **सोनिया द्वारा भारत की लूट :**

भारत से घृणा करनेवाले मुहम्मद गोरी, नादिर शाह और अंग्रेज रॉबर्ट क्लाइव ने भारत की धन-सम्पदा को जमकर लूटा। **जब राजीव और इन्दिरा प्रधानमंत्री थे तब बक्से के बक्से भरकर रोज-ब-रोज प्रधानमंत्री निवास से सुरक्षा गार्ड चेन्नई के हवाई अड्डे से इटली जानेवाले हवाई जहाजों में क्या ले जाते थे ?** एक तो हमेशा उन बक्सों को रोम के लिये बुक किया जाता था, एयर इंडिया और अलिटालिया एयरलाईन्स को ही इसका जिम्मा सौंपा जाता था और दूसरी बात यह कि **कस्टम्स पर उन बक्सों की कोई जाँच नहीं होती थी।** अर्जुन सिंह जो कि मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं और सांस्कृतिक मंत्री भी, इनके सहयोग में विशेष रुचि लेते थे। कुछ भारतीय कलाकृतियाँ, पुरातन वस्तुएँ, पेंटिंग्स, शहतूश शॉलें, सिक्के आदि इटली की दो दुकानों (जिनकी मालिक सोनिया की बहन अनुष्का हैं) में आम तौर पर देखी जाती हैं। ये दुकानें इटली के आलीशान इलाकों रिवोल्टा (दुकान का नाम -'एटनिका') और ओरबेस्सानो

सोनिया गांधी आधुनिक रॉबर्ट क्लाइव

(दुकान का नाम -'गनपति') में स्थित हैं जहाँ इनका धंधा नहीं के बराबर चलता है। दरअसल यह एक 'आड़' है इन दुकानों के नाम पर फर्जी बिल तैयार करवाये जाते थे फिर वे बहुमूल्य वस्तुएँ लन्दन ले जाकर 'सौथरबी' और 'क्रिस्टीज' द्वारा नीलामी में चढ़ा दी जाती थीं इन सबका क्या मतलब निकलता है ? यह पैसा आखिर जाता कहाँ था ? एक बात तो तय है कि राहुल गाँधी की हार्वर्ड की एक वर्ष की फीस और अन्य खर्चों के लिए भुगतान एक बार केमैन द्वीप की किसी बैंक के खाते से हुआ था।

☞ **सोनिया का घोटाला राज :**

सोनिया राज में पिछले १५ सालों में अरबों-खरबों रुपयों के घोटाले एक-एक करके सामने आ रहे हैं।

(१) प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में उन्हीं के मंत्रालय में कोयला आवंटन के नाम पर करीब २६,००,००० करोड़ रुपये की लूट हुई है। इस धन का यह स्पष्ट आँकड़ा वित्तीय निरीक्षण करनेवाली एक सरकारी संस्था- 'केग' ने जाँच करके पाया है।

(२) क्रिकेट में घोटाले के कारण विदेश राज्यमंत्री शशि थरूर को इस्तीफा देना पड़ा। भ्रष्टाचारी अध्यक्ष ललित मोदी को पद से जाना पड़ा। दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सत्तर हजार करोड़ (७०० अरब) रुपये सरकारी कोष से दिये गये। जिसमें भ्रष्टाचार करने के कारण घोटालेबाज अध्यक्ष सुरेश कलमाडी को जेल जाना पड़ा।

(३) कारगिल युद्ध में शहीदों की विधवाओं को देने के लिए मुंबई में बनायी गयी आदर्श सोसायटी में अपने घरवालों तथा संबंधियों को मकान देने व इसमें घोटाले के कारण मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को इस्तीफा देना पड़ा।

(४) २-जी स्पेक्ट्रम घोटाले में ६० हजार करोड़ रुपये की घूस बाँटी गई जिसमें चार लोग हिस्सेदार थे। दस प्रतिशत हिस्सा मंत्री ए राजा को गया, ३०-३० प्रतिशत हिस्सेदारी सोनिया गाँधी की दो बहनों नाडिया और अनुष्का को तथा ३० फीसदी एम करुणानिधि को गया है। इस विभाग के केन्द्रीय मंत्री ए. राजा को इस्तीफा देना पड़ा तथा जेल जाना पड़ा। कनीमोझी को भी जेल

जाना पड़ा। पूर्व दूरसंचार मंत्री दयानिधि मारन को इस्तीफा देना पड़ा।
५) रिलायंस पावर घोटाला (२००९) - १२०,००,००० करोड़ रुपये
६) एन.टी.आर.ओ. घोटाला (२००७) - ४५० करोड़ रुपये
७) टेलीफोन एक्सचेंज घोटाला (२०१०) - ४४० करोड़ रुपये
८) नोट फॉर वोट घोटाला (२००८) - ६० करोड़ रुपये
९) इसरो घोटाला (२०११) - २,००,००० करोड़ रुपये
१०) आईपीएल क्रिकेट घोटाला (२००८) - ७० करोड़ रुपये
११) मधु कोड़ा खनन घोटाला (२००९) - ४००० करोड़ रुपये
१२) उड़ीसा खदान घोटाला (२००९) - ७००० करोड़ रुपये
१२) उड़ीसा खदान घोटाला (२००९) - ७००० करोड़ रुपये
१३) चावल निर्यात घोटाला (२००९) - २५०० करोड़ रुपये
१४) झारखंड चिकित्सा उपकरण घोटाला (२००८) - १३० करोड़ रुपये
१५) स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र घोटाला - ९५ करोड़ रुपये
१६) २ - जी स्पेक्ट्रम घोटाला (२००८) - १,७६,००० करोड़ रुपये
१७) सेना राशन चोरी घोटाला (२००८) - ५००० करोड़ रुपये
१८) सत्यम घोटाला (२००८) - १४,००० करोड़ रुपये
१९) हसन अली खान कर घोटाला (२००८) - २०,००० करोड़ रुपये
२०) पंजाब सिटी सेंटर परियोजना घोटाला (२००६)-१५०० करोड़ रुपये
२१) रूसी पनडुब्बी घोटाला (२००५) - १८,९७८ करोड़ रुपये
२२) आईपीओ - डीमैट घोटाला (२००५) - १४६ करोड़ रुपये

अधिक जानकारी के लिए देखें- www.srsinternational.org

सन् २०११ तक लगभग ९१० खरब,६०३ अरब,२३४ करोड़,३ लाख रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। अगर इस राशि को भारत के कल्याण के लिए लगाया जाय तो भारत रातों-रात सुपर पॉवर बन जायेगा और भारत की तमाम तरह की सामाजिक समस्याओं जैसे गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, कुपोषण आदि से आसानी से निजात पाया जा सकता है स्थान की कमी के कारण अन्य अनेक घोटालों का विवरण नहीं दे पा रहे हैं।

सोनिया का नया राजनैतिक दल- सोनिया कांग्रेस

सोनिया कांग्रेस एक बिल्कुल अलेहदा राजनैतिक दल है जिसका गठन १९९८ में एक बड़े षडयंत्र के अन्तर्गत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के तंत्र पर कब्जा करने के लिए किया गया। इसका अहम हिस्सा था कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम केसरी को किसी ढंग से बल पूर्वक अपदस्थ करके मुख्यालय पर कब्जा करना। सोनिया गांधी और उसके योजनाकारों के इस षड्यंत्र में साथ देने के लिए ए.के. एंटोनी, अहमद पटेल, गुलाम नबी आजाद, विनसेट जॉर्ज और कमलनाथ आदि शामिल हुए।

९ मार्च १९९८ को सीताराम केसरी और दूसरे कांग्रेसी सोनिया की इस साजिश को समझ गये कि सोनिया के नेतृत्व में ५-७ लोगों का एक समूह भारत के सबसे पुराने राजनैतिक दल को समाप्त करके उसके नाम की आड़ में ही एक नया राजनैतिक दल खड़ा करना चाह रहे हैं। उन्होंने तुरंत देश भर के कांग्रेसियों को इस षड्यंत्र से वाकिफ करवाने के लिए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी का अधिवेशन बुलाया।

केसरी के इस निर्णय से सोनिया गांधी और उसके योजनाकार और उनकी सहायता कर रहे लोग सकते में आ गये और तुरंत योजना को नया रूप दिया। १४ मार्च, १९९८ को दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय पर कार्यकारिणी की बैठक बुलाई जिसमें प्रणव मुखर्जी ने कांग्रेस के संविधान का हवाला देते हुए कहा कि असाधारण स्थिति पैदा हो गई है इस स्थिति में सीताराम केसरी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद से हटाया जाता है। तुरंत जितेन्द्र प्रसाद ने खड़े होकर घोषणा की कि सोनिया गांधी को नया अध्यक्ष बनाया जाता है। अभी सीताराम केसरी कुछ समझ पाते तब तक सोनिया गांधी के विशेष सुरक्षा दस्ते ने कांग्रेस मुख्यालय को घेर लिया। मीडिया का एक वर्ग शायद पहले ही इस षड्यंत्र को जानता था या उसके कुछ लोग उसमें शामिल थे क्योंकि तुरंत मीडिया के एक दो समूहों ने अतिरिक्त उत्साह से सोनिया गांधी के अध्यक्ष बनने के औचित्य को सिद्ध किया जबकि कांग्रेस सविधान के अनुसार कांग्रेस के अध्यक्ष को कार्यकारिणी नहीं हटा सकती।

सोनिया कांग्रेस भारत में अपने जिस एजेंडे को लागू कर रही है और अपने दिग्विजयों, अजीज बर्नियों के माध्यम से हिन्दुत्व को मिटाने का प्रयास कर रही है। इसमें कुछ दूसरी शक्तियाँ भी लगी हुई हैं। गुलाम नबी फई और उसके आका अमेरिका में बैठकर, ओपस दाई स्पेन में बैठकर यही काम कर रहे हैं। दुर्भाग्य से सोनिया कांग्रेस का एजेंडा इन भारत विरोधी शक्तियों से मेल खा रहा है। इससे बड़ा दुर्भाग्य और भी कि सोनिया कांग्रेस यह सब काम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नाम से कर रही है जो देश और इतिहास से धोखा है।

☞ **सोनिया की राष्ट्रविरोधी-राष्ट्रीय सलाहकार समिति :**

राष्ट्रीय सलाहकार समिति (Nationa Advisory Council) सोनिया गाँधी के नेतृत्व में गठित एक गैर-संवैधानिक संस्था है जिनमें कुछ राष्ट्रद्रोही और अधिकांश हिन्दू विरोधी संस्था से जुड़े हुए लोग हैं। जो मंत्रिमंडल के ऊपर थोपे गये हैं, जिससे आज भारत पर एक निजी समूह का शासन है। क्या इन लोगों को भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और रीति-नीति से कुछ लेना-देना है ? इन लोगों ने राजनैतिक सत्ता को गैर-संवैधानिक तरीके से अपना लिया है जो हिन्दू विरोधी मानसिकता से पीड़ित हैं।

☞ **काला धन छुपाने के लिए मची भागदौड़ :**

सुब्रमण्यम स्वामी के अनुसार ७ जून २०११ को सोनिया जेट एयरवेज से मिलान (इटली) गयी। मिलान से दुबई गयीं और दुबई से कार्पोरेट जेट आया वह किसका था मैं नहीं जानता.. उसको लेकर वे स्विटजरलैण्ड गयीं। राहुल भी पहले दुबई गया फिर वहाँ से प्राईवेट जेट से स्विट्जरलैण्ड पहुँचा। वहाँ अपने बैंक एकाउन्ट को इधर-उधर कर रहे थे कि कहीं कल बाहर निकल जायें सुप्रीम कोर्ट के दबाव पर तो हमारा नाम-निशान कहीं नहीं होना चाहिए।

☞ **अनैतिक समलैंगिक संबंधों की समर्थक सोनिया :** भारत के सर्वोच्च न्यायलय ने समलैंगिक संबंधों को अपराध एवं गैरकानूनी घोषित कर दिया है। सोनिया, राहुल ने इस निर्णय का विरोध किया तथा अनैतिक सृष्टि विरुद्ध कृत्य समलैंगिक संबंधों का समर्थन किया। अब आप स्वयं ही समझ जाइये।

अहमद पटेल अब तेरी बारी है, तेरे नापाक इरादे तेरे को ले डूबेंगे, तेरे को दोजख (नरक) में भी लोग लताड़ेंगे !

☞ सोनिया के राजनैतिक सलाहकार अहमद पटेल की सोनिया के साथ रात को १२ बजे से २-३ बजे तक मीटिंग होती है। हफ्ते में कम से कम दो-तीन बार रात को सोनिया के घर पर ऐसी मीटिंग होती है। सोनिया गांधी का जब फोन आता तो रात को १२ बजे छिपकर गाडियाँ बदल-बदलकर अहमद पटेल सोनिया के घर क्यों जाते थे.? क्या होता था ?... क्या बातें होती थी ? क्या हिसाब-किताब होता था ? क्या पैसे की बातें होती थी ?

घोटालेबाज हसन अली से अहमद पटेल बार-बार मिलता था, जिसके विडियो फुटेज मुंबई पुलिस के पास है। २००५ में स्विटजरलैंड के ४ बैंक और इटली के ८ बैंक भारत में खोले गए। सोनिया अगर देश को लूटने आयी है तो लाल किले से ऐलान कर दो। हम तंग आ गए है...एक बार आर-पार की लड़ाई हो ही जाए।

- विश्वबंधु गुप्ता (निवृत्त आयकर आयुक्त)

☞ यूपीए सरकार के पक्ष में भाजपा सांसदों को वोट देने के लिए रिश्वत देने हेतु अहमद पटेल ने मुझे फोन किया था।- **सुहैल हिंदुस्थानी (मध्यस्थ)**

☞ सोनिया दरबार में अहमद नंबर वन, अहमद पटेल ने अपने निकट के करीबियों को उच्च पदों पर पहुँचाया। **- विस्फोट.कॉम, २६ मार्च २०११**

☞ १० जनपथ (सोनिया आवास) और २३ विलिंगडन क्रिसेट (अहमद पटेल का आवास) काँग्रेस पार्टी से ज्यादा ताकतवर है। **- मणिशंकर अय्यर**

☞ **यौन-रोगी सोनिया का इलाज :**

सोनिया गांधी को सर्वाइकल कैन्सर (बच्चादानी, गर्भाशय या फिर यूट्राइन सर्विक्स कैन्सर - एक से अधिक पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाली किसी भी महिला में इसकी संभावना) है। २०११-१२ में सोनिया ने अमेरिका में अपनी चिकित्सा पर १८८० करोड़ रुपये खर्च किये।

इन्दिरा, राजीव, माधवराव सिंधिया, राजेश पायलट, जितेन्द्र प्रसाद की मौत के पीछे कौन ?

सोनिया गाँधी अपने पति के हत्यारों के समर्थकों MDMK, PMK और DMK से सत्ता के लिए मधुर सम्बन्ध बनाये हुए हैं। कोई भारतीय विधवा कभी ऐसा नहीं कर सकती । उनका पूर्व आचरण भी ऐसे मामलों में संदिग्ध रहा है जैसे कि जब संजय गाँधी का हवाई जहाज नाक के बल गिरा तो उसमें विस्फोट नहीं हुआ । पाया गया कि उसमें ईंधन नहीं था जबकि फ्लाइट रजिस्टर के अनुसार निकलते वक्त टैंक फुल किया गया था। जैसे माधवराव सिंधिया की विमान दुर्घटना के ठीक पहले मणिशंकर अय्यर और शीला दीक्षित को उनके साथ जाने से मना कर दिया गया ।

इन्दिरा गाँधी की मौत की वजह बना था उनका अत्यधिक रक्तस्राव, न कि सिर में गोली लगना, फिर सोनिया गाँधी ने उस वक्त खून बहते हुए हालत में इन्दिरा गाँधी को लोहिया अस्पताल ले जाने की जिद की जो कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से बिलकुल विपरीत दिशा में है जबकि एम्स में तमाम सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं फिर लोहिया अस्पताल पहुँचकर वापिस सभी लोग एम्स पहुँचे और इस बीच लगभग पच्चीस कीमती मिनट बरबाद हो गये । ऐसा क्यों हुआ ? क्या आज तक किसी ने इसकी जाँच की ? सोनिया गाँधी के विकल्प बन सकने वाले लगभग सभी युवा नेता जैसे - राजेश पायलट, माधवराव सिधिंया, जितेन्द्र प्रसाद विभिन्न हादसों में ही क्यों मारे गये ? अब सोनिया की सत्ता निर्बाध रूप से चल रही है लेकिन ऐसे कई अनसुलझे और रहस्यमय प्रश्न चारों ओर मौजूद हैं। उनका कोई जवाब नहीं है और कोई पूछनेवाला भी नहीं है । यही इटली की स्टाइल है ।

जनता की अवाज

☞ रामलीला मैदान में सोनिया मेरा एनकाउन्टर कराना चाहती थी। सोनिया को भारत से प्यार नहीं। **- बाबा रामदेव**

☞ सोनिया (एंटोनिया माईनो) अंग्रेज लॉर्ड मैकाले के मिशन को पूरा करने के लिए भारत में सत्ता के शिखर पर बैठी है। **- अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी**

☞ बोफोर्स तोप घोटालें में दलाली का धन इटली की बैंक में। **- मेनका गांधी**

☞ सोनिया गांधी एक ऐसी विषकन्या है जो देश को धीरे-धीरे खा रही है। उनका एक लाख करोड़ रुपया विदेश में जमा है। यह कहाँ और किस बैंक में जमा है, मुझे पता है। **- डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी**

☞ इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या के पीछे सोनिया का हाथ। **- के.सी.सुदर्शन**

☞ सोनिया विदेशी मूल की, सोनिया नहीं स्वीकार। **- बाल ठाकरे**

☞ ईसाइयत को बढ़ावा दे रही है सोनिया। आतंकवाद की पोषक है सोनिया। **- अशोक सिंघल**

☞ सोनिया और उसके परिवार को अपनी सम्पत्ति का विवरण देना चाहिए। **- उमा भारती**

☞ स्विस बैंक में गांधी परिवार का कालाधन छुपाकर रखा गया है। यही नहीं स्विट्जरलैण्ड की पत्रिकाओं में भी यह खबर प्रकाशित की जा चुकी है कि राहुल गांधी को स्विस बैंक से पैसा प्राप्त हो रहा है।

- रामजेठमलानी (वकील, सर्वोच्च न्यायालय)

☞ भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमेरिकी एजेन्ट है। **- राजीव दीक्षित**

☞ सोनिया गांधी के १० हजार करोड़ रूपये स्विस बैंक के खाते में कालेधन के रूप में जमा है। **- स्विट्जर इलस्ट्रेटी (स्विस पत्रिका), ११-११-१९९१**

☞ सोनिया गांधी की विदेश यात्राओं के ब्यौरे और उस पर आए खर्च को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। **- सत्यानंद मिश्रा, मुख्य सूचना आयुक्त, केन्द्रीय सूचना आयोग, १३-६-२०११**

सिक्ख विरोधी दंगों के आरोपियों की संरक्षक सोनिया

सन् १९७५-७७ में इंदिरा द्वारा लगाये गये आपतकाल के दौरान, स्वायत्त सरकार बनाने के लिए व चुनाव प्रचार के लिए हजारों सिक्खों को कैद कर लिया। जून १९८४ में सेना को स्वर्ण मन्दिर पर कब्जा करने और वहाँ के सिक्खों को खत्म करने के लिये इंदिरा द्वारा चलाये गये 'ऑपरेशन ब्ल्यू स्टार' से सिक्खों में बवाल मच गया। सेना की कुछ ईकाइयों में बगावत भी हो गयी।

३१ अक्टूबर १९८४ को दो सिक्ख अंगरक्षकों ने इंदिरा को गोलियों से भून दिया। कांग्रेसियों द्वारा दंगे भड़काये गये। सिक्ख समुदाय के ३० हजार लोगों को यातना दी गयी व दुष्कर्म किया गया। प्रतिशोध के रुप में ८००० से ज्यादा सिक्खों को मौत के घाट उतारने का दुष्कृत्य किया गया। सी.बी.आई की राय में यह सभी हिंसक कृत्य दिल्ली पुलिस के अधिकारियों और इंदिरा के बेटे राजीव गांधी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की सहमति से आयोजित किये गये।

सोनिया गांधी उस सिक्ख विरोधी दंगों के आरोपी कमलनाथ, सज्जन कुमार, जगदीश टाईटलर इत्यादि कांग्रेसी नेताओं को बचाने व संरक्षण देने का काम कर रही है।

हिन्दी

सन्दर्भ :

- Book - " The Red Saree" (Author - Javier Moro, Spain)
- www.janataparty.org (Dr.Subramaniam swamy)
- gandhiheritage.org ♦ www.hindujagruti.org/hindi
- Ms.Kanchan Gupta (23/04/1999 www.rediff.com)
- Unmasking Sonia Gandhi (S.Gurumurty) The New Indian Express (17/04/2004).www.hvk.org.articles/090436.html
- www.indianexpress.com/news/sonia-should-clarify-congress stand-on-ramdev/755209/ ♦ हिन्दू वॉइस, सितम्बर २०११
- vivekajyoti.blogspot.com/2011/06/subramanian-swamy-slams-sonia-rahul-for.html
- thestatesman.net/index.php [The Statesaman (3 july 2011)]
- Economic Times (25 July 2011) ♦ www.ekakizuj.com/congress-scam-in-india-since-independence
- इंडिया टुडे, १२ फरवरी २०१४ ♦ http://hi.wikipedia.org/wiki//1984 सिख विरोधी दंगें

सोनिया राज में घोटालेंबाजों की फौज

सुरेश कलमाडी

अशोक चव्हाण

मनमोहन सिंह

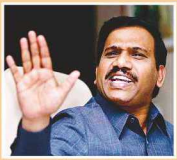
ए.राजा

रामलिंगा राजू

शीला दीक्षित

कनीमोझी

दयानिधि मारन

नवीन जिंदल

वीरभद्र सिंह

रॉबर्ट वढेरा

सन् २०११ तक लगभग ९१० खरब, ६०३ अरब, २३४ करोड़, ३ लाख रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए !

सोनिया राज में अपराधियों की फौज

एन.डी.तिवारी

मनु सिंघवी

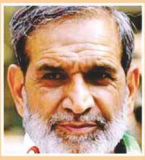
सज्जन कुमार

जगदीश टा.

मनु शर्मा

सुशील शर्मा

संतों-महात्माओं पर अत्याचार व हिन्दू संस्कृति को नष्ट करने की साजिश

आस्था के साथ खिलवाड़

माँ लक्ष्मी देवी का घोर अपमान

जागो भारतवासी जागो...
सोनिया के षड्यंत्र को पहचानो

- स्विस बैंक में किसका कालाधन ?
- किसकी सत्ता में घोटाले ही घोटाले ?
- आसमान छूती मंहगाई के पीछे कौन ?
- कालाधन वापस लाने में किसका अड़ंगा ?
- साध्वी प्रज्ञा पर झूठा केस किसने करवाया ?
- किसानों की आत्महत्या का जिम्मेदार कौन ?
- भ्रष्टाचारी नेताओं का पोषक व संरक्षक कौन ?
- भारत की आर्थिक लूट के पीछे किसका हाथ ?
- भारत को ईसाई राष्ट्र बनाने का किसका सपना ?
- नक्सलवादी, माओवादी उग्रवादियों को किसने पनाह दी ?
- १९८४ के सिख दंगों के आरोपियों का संरक्षक कौन...?
- भारत में उत्पन्न अनाजों को सड़ाकर बर्बाद करनेवाला कौन ?
- उड़ीसा के संत लक्ष्मणानंदजी की हत्या किसने करवाई ?
- बोफोर्स घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, २ जी स्पेक्ट्रम घोटाला, आदर्श सोसाईटी घोटाला आदि..आदि घोटाले किसके राज में ?
- स्वामी अमृतानंद के मुँह में मांस किसने ठुंसवाया ? उनको नग्न किसने करवाया ? उन्हें बिजली के शॉर्ट किसने दिलवाये ?
- संत आसाराम बापू को जेल में डालने व उनके आश्रमों को तोड़ने के पीछे किसकी साजिश ? व संतों पर अत्याचार किसके इशारे पर ?
- रामलीला मैदान, दिल्ली में बाबा रामदेव के शांतिपूर्ण, अहिंसक सत्याग्रह में आधीरात को सोये हुए भूखे बच्चों, बुजुर्गो, महिलाओं पर पुलिस की बर्बर कारवाई के पीछे कौन ?
- भारत को तोड़ने तथा फिर से गुलाम बनाने का कौन रच रहा है षड़यंत्र.....???

All legal proceedings shall be subject to the jurisdiction of the courts in New Delhi.

संस्कृति रक्षक संघ

आध्यात्मिक भारत निर्माण

मुख्यालय : शास्त्री नगर, दिल्ली-110031. फोन : 011-32674126

info@srsinternational.org www.srsinternational.org